करेंट अफेयर्स

राजस्थान

(संग्रह)

अप्रैल

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

राजस्थान 3

- राजस्थान दिवस 3
- राजस्थान को टीबी उन्मूलन हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार 4
- राजस्थान उच्च न्यायालय में नए न्यायाधीश नियुक्त 5
- राजस्थान का पहला अंतर्राष्ट्रीय AI रोबोटिक्स संस्थान 6
- गणगौर महोत्सव 7
- मुख्यमंत्री निशुल्क बिजली योजना 8
- मीनाकारी कला 9
- रेलवे स्टेशनों पर सौर ऊर्जा स्थापना में राजस्थान अग्रणी 10
- 108 कुंडीय रुद्र महामृत्युंजय महायज्ञ 11
- शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन 12
- भारत का पहला सिकल सेल हब 14
- चित्तौड़गढ़ किला 15
- रामदेवरा गोडावण संरक्षण केंद्र 15
- रामगढ़ बाँध 17
- थार रेगिस्तान 18
- बीसलपुर बाँध 20
- धनुष लीला 21
- बर्तन बैंक योजना 22
- कोटा में संविधान पार्क 23
- रणथंभौर टाइगर रिज़र्व 25
- डाटा सेंटर पॉलिसी-2025 28
- मृदा एवं खाद स्वराज अभियान 29
- संत धन्ना भगत जयंती 30
- मोबाईल वैटेरीनरी यूनिट्स 32
- एकमुश्त समाधान योजना 33
- आमेर किला 34
- मनरेगा योजना 35
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 36
- पोकरण में सोलर प्रोजेक्ट 37

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 | UPSC क्लासरूम कोर्सेस | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स | दृष्टि लर्निंग ऐप

नोट :

राजस्थान

राजस्थान दिवस

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **राजस्थान सरकार** ने राजस्थान का **स्थापना दिवस** 30 मार्च के बजाए **चैत्र शुक्ल प्रतिपदा** को मनाने की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- **वर्षों पुरानी मांग:**
  - वर्ष 1992 में गठित नववर्ष समारोह समिति ने **राजस्थान सरकार** से वर्षों से यह मांग की थी कि **राजस्थान स्थापना दिवस** 30 मार्च की बजाय **चैत्र शुक्ल प्रतिपदा** (नव संवत्सर) पर मनाया जाए। समिति ने तर्क दिया कि स्थापना दिवस का वास्तविक महत्त्व इस तथ्य में निहित है कि राजस्थान की स्थापना इसी दिन हिंदू कैलेंडर के अनुसार शुभ समय पर हुई थी।
- **चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का महत्त्व:**
  - **चैत्र शुक्ल प्रतिपदा** वर्ष का वह दिन होता है जब पृथ्वी **सूर्य के चारों ओर एक पूर्ण चक्र** पूरा करती है, जिससे दिन और रात बराबर होते हैं।
  - यह संतुलन और **नई शुरुआत** का प्रतीक है।

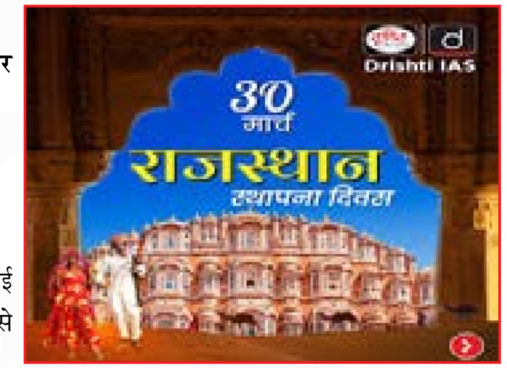

- **राजस्थान की स्थापना**
  - 14 जनवरी, 1949 को उदयपुर की एक सार्वजनिक सभा में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने **जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर** रियासतों के सैद्धांतिक रूप से विलय की घोषणा की थी।
  - सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जयपुर में 30 मार्च, 1949 को एक समारोह में वृहद् राजस्थान का उद्घाटन किया था, इसलिये राजस्थान दिवस हर वर्ष 30 मार्च को मनाया जाता है।
  - आज़ादी के वक्त राजस्थान में कुल 22 रियासतें थी। वर्तमान राजस्थान में तत्कालीन 19 देसी रियासतों में राजाओं का शासन हुआ करता था। जबकि, तीन रियासतों (नीमराना, लव और कुशालगढ़) में चीफशिप थी। यहाँ के अजमेर-मेरवाड़ा प्रांत पर ब्रिटिश शासकों का राज था।
  - भारत सरकार ने अफज़ल अली के नेतृत्व में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिश पर ब्रिटिश शासित अजमेर-मेरवाड़ा प्रांत का 1 नवंबर, 1956 को राजस्थान में विलय कर लिया।
  - इस दौरान ही मध्य प्रदेश की मंदसौर तहसील के गाँव सुनेलटप्पा को भी राजस्थान में शामिल किया गया। जबकि, राजस्थान के झालावाड़ जिले के गाँव सिरोंज को मध्य प्रदेश में शामिल किया गया।
- भारत सरकार की गठित राव समिति की सिफारिशों के आधार पर 7 सितंबर, 1949 को जयपुर को राजस्थान राज्य की राजधानी बनाया गया।
- राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। इसका क्षेत्रफल तीन लाख 42 हज़ार 239 वर्ग किलोमीटर है। यह देश का 1/10 भूभाग है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 | UPSC क्लासरूम कोर्सेस | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स | दृष्टि लर्निंग ऐप

नोट :

राजस्थान को टीबी उन्मूलन हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

24 मार्च, 2025 को विश्व टीबी दिवस के अवसर पर राजस्थान को टीबी उन्मूलन की दिशा में किये गए विशेष प्रयासों के लिये **राष्ट्रीय पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राजस्थान को **टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान** में देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर यह पुरस्कार प्रदान किया।
  - टीबी मुक्त भारत अभियान और **टीबी मुक्त ग्राम पंचायत** जैसी पहलों को साकार करने में राजस्थान ने **महत्त्वपूर्ण योगदान** दिया है।
  - **प्रमुख शासन सचिव** ने जानकारी दी कि **टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान** के तहत **वर्ष 2024 में राजस्थान की 3,355 ग्राम पंचायतों** को **टीबी मुक्त घोषित** किया गया, जबकि **2023 में यह संख्या 586** थी।
  - इसके अतिरिक्त **प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान** के अंतर्गत राजस्थान में अब तक **19,000 से अधिक निक्षय मित्र** (समुदाय समर्थक) जोड़े जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

- **परिचय:**
  - यह वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन की दिशा में देश की प्रगति में तेज़ी लाने के लिये स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) की एक पहल है।
- **उद्देश्य:**
  - टीबी रोगियों के उपचार परिणामों में सुधार के लिये अतिरिक्त रोगी सहायता प्रदान करना।
  - 2025 तक टीबी को समाप्त करने की भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने में समुदाय की भागीदारी बढ़ाना।
  - कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (Corporate Social Responsibility-CSR) गतिविधियों का लाभ उठाना।
- **घटक:**
  - **नि-क्षय मित्र पहल:** यह टीबी के इलाज के लिये अतिरिक्त निदान, पोषण और व्यावसायिक सहायता सुनिश्चित करता है।
    - **नि-क्षय मित्र (दाता)** सरकारी प्रयासों के पूरक के लिये टीबी के खिलाफ प्रतिक्रिया में तेज़ी लाने हेतु स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये (व्यक्तिगत दाता के लिये), ब्लॉक/शहरी वार्डों/ज़िलों/राज्यों के स्तर पर सहायता करते हैं।
  - **नि-क्षय डिजिटल पोर्टल:** यह टीबी से पीड़ित व्यक्तियों के लिये सामुदायिक सहायता के लिये एक मंच प्रदान करेगा।
- 'क्षय रोग' (TB)
  - **परिचय:** टीबी या क्षय रोग 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नामक जीवाणु के कारण होता है,
    - यह आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करता है, लेकिन शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित कर सकता है।
    - यह एक **इलाज योग्य और साध्य रोग है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

  - **संचरण:** टीबी रोग हवा के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। जब 'पल्मोनरी टीबी' से पीड़ित कोई व्यक्ति खाँसता, छींकता या थूकता है, तो वह टीबी के कीटाणुओं को हवा में फैला देता है।
  - **लक्षण:** 'पल्मोनरी टीबी' के सामान्य लक्षणों में बलगम, कई बार खून के साथ खाँसी और सीने में दर्द, कमज़ोरी, वज़न कम होना, बुखार और रात को पसीना आना शामिल है।
  - **वैक्सीन: बैसिल कैलमेट-गुएरिन (BCG)** टीबी रोग के लिये एक टीका है।

राजस्थान उच्च न्यायालय में नए न्यायाधीश नियुक्त

चर्चा में क्यों?

राजस्थान उच्च न्यायालय में चार नए न्यायधीशों की नियुक्ति की गई, जिससे अब न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है।

मुख्य बिंदु

- **न्यायधीशों के बारे में:**
  - न्यायालय में आयोजित औपचारिक समारोह में मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव ने उन्हें शपथ दिलाई।
  - नए न्यायधीशों में जयपुर से आनंद शर्मा और जोधपुर से सुनील बेनीवाल, मुकेश राजपुरोहित और संदीप शाह का नाम शामिल हैं।
- **उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति:**
  - **संविधान का अनुच्छेद 217:** यह कहता है कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI), राज्य के राज्यपाल के परामर्श से की जाएगी।
    - मुख्य न्यायाधीश के अलावा किसी अन्य न्यायाधीश की नियुक्ति के मामले में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श किया जाता है।
  - **परामर्श प्रक्रिया:** उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सिफारिश एक कॉलेजियम द्वारा की जाती है जिसमें CJI और दो वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल होते हैं।
  - यह प्रस्ताव दो वरिष्ठतम सहयोगियों के परामर्श से संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा किया जाता है।
  - सिफारिश मुख्यमंत्री को भेजी जाती है, जो केंद्रीय कानून मंत्री को प्रस्ताव राज्यपाल को भेजने की सलाह देता है।
  - उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति इस नीति के आधार पर की जाती है कि राज्य का मुख्य न्यायाधीश संबंधित राज्य से बाहर का होगा।

राजस्थान उच्च न्यायालय

- राजस्थान उच्च न्यायालय **जोधपुर** में स्थित है और इसकी स्थापना **29 अगस्त 1949** को **राजस्थान उच्च न्यायालय अध्यादेश, 1949** के तहत की गई थी।
- वर्तमान में इस न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 50 है, जबकि मार्च 2025 तक कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या 38 है।
- राजस्थान के एकीकरण से पहले, राज्य की विभिन्न इकाइयों में पाँच अलग-अलग उच्च न्यायालय कार्यरत थे। **राजस्थान उच्च न्यायालय अध्यादेश, 1949** ने इन विभिन्न न्यायालयों को समाप्त कर पूरे राज्य के लिये एक ही उच्च न्यायालय का प्रावधान किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

- शुरुआत में राजस्थान उच्च न्यायालय का मुख्यालय जयपुर में था और इसका उद्घाटन **राजप्रमुख महाराजा सवाई मान सिंह** ने 29 अगस्त 1949 को किया।
- बाद में, **1956 में राजस्थान के पूर्ण एकीकरण** के बाद, **सत्यनारायण राव समिति** की सिफारिश पर इसे जोधपुर में स्थानांतरित कर दिया गया।
- राजस्थान उच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश **कमला कांत वर्मा** थे।

राजस्थान का पहला अंतर्राष्ट्रीय AI रोबोटिक्स संस्थान

चर्चा में क्यों?

1 अप्रैल 2025 को निम्स (NIMS) विश्वविद्यालय जयपुर में प्रदेश के पहले "**डेडिकेटेड** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस**, रोबोटिक्स, एवं साइबरनेटिक्स** संस्थान का उद्घाटन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **संस्थान के बारे में:**
  - यह संस्थान '**राइजिंग राजस्थान**' पहल के तहत राजस्थान सरकार और निम्स विश्वविद्यालय के बीच हुए समझौते का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।
  - **उद्देश्य:**
    - इसका प्रमुख उद्देश्य राजस्थान को डिजिटल नवाचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का वैश्विक केंद्र बनाना है।
    - संस्थान में 15 अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाएगी, जिनमें 500 से अधिक उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटर शामिल होंगे।
  - इसके अलावा, इस संस्थान को **इंडो-पैसिफिक यूरोपीयन हब फॉर डिजिटल पार्टनरशिप (INPACE)** के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है, जो भारत और यूरोप के बीच डिजिटल सहयोग को बढ़ावा देगा।
  - यह संस्थान यूरोपीय संघ (EU) और अन्य वैश्विक संगठनों के साथ मिलकर AI, रोबोटिक्स और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

- **परिचय:**
  - AI का आशय **कंप्यूटर या कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट के ऐसे कार्य करने की क्षमता से है जो आमतौर पर मनुष्यों द्वारा किये जाते हैं** क्योंकि ऐसे कार्यों के निष्पादन हेतु मानव बुद्धि और विवेक की आवश्यकता होती है।
    - हालाँकि **अभी ऐसी कोई AI प्रणाली नहीं है जो एक सामान्य मानव द्वारा किये जा सकने वाले विभिन्न प्रकार के कार्यों को कर सके,** हालाँकि कुछ AI मनुष्यों द्वारा किये जाने वाले कुछ विशिष्ट कार्यों को करने में सक्षम हो सकते हैं।
- **विशेषताएँ और घटक:**
  - **डीप लर्निंग (DL) तकनीक** बड़ी मात्रा में असंरचित डाटा जैसे- टेक्स्ट, चित्र या वीडियो के माध्यम से **ऑटोमेटिक लर्निंग को सक्षम** बनाती है।
    - कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आदर्श विशेषता इसकी युक्तिसंगत कार्रवाई करने की क्षमता है जिसमें एक विशिष्ट लक्ष्य प्राप्त किया जाता है। मशीन लर्निंग (ML), AI का ही एक प्रकार है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

यूरोपीय संघ

- **स्थापना:** द्वितीय विश्व युद्ध (1939-45) के बाद वर्ष 1951 में छह देशों (बेल्जियम, फ्राँस, जर्मनी, इटली, लक्जमबर्ग और नीदरलैंड) द्वारा इसकी स्थापना की गई।
- **वर्तमान सदस्य देश:** वर्तमान में इसमें 27 देश (ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस गणराज्य, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्राँस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लातविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन) शामिल हैं।
  - ब्रिटेन 1973 में यूरोपीय संघ में शामिल हुआ और वर्ष 2020 में इससे अलग हो गया (ब्रेक्सिट)।
- **जनसांख्यिकी:** यूरोपीय संघ में, जर्मनी की जनसंख्या सबसे अधिक है और फ्राँस क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा है जबकि सबसे छोटा देश माल्टा है।
- **खुली सीमाएँ:** साइप्रस और आयरलैंड के अतिरिक्त शेंगेन क्षेत्र में यूरोपीय संघ के अधिकांश सदस्यों के मुक्त आवागमन की अनुमति है।
  - चार गैर-यूरोपीय संघ देश (आइसलैंड, नॉर्वे, स्विट्ज़रलैंड और लिकटेंस्टीन) भी शेंगेन का हिस्सा हैं।
- **एकल बाज़ार:** यूरोपीय संघ के भीतर माल, सेवाओं, पूंजी और लोगों का स्वतंत्र आवागमन होता है।
- **जलवायु लक्ष्य:** इसने वर्ष 2050 तक जलवायु-तटस्थ होने और वर्ष 2030 तक उत्सर्जन में 55% की कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

गणगौर महोत्सव

चर्चा में क्यों?

गणगौर महोत्सव हर साल **चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि** को मनाया जाता है। इस बार गणगौर महोत्सव 31 मार्च, 2025 को मनाया गया।

मुख्य बिंदु

- **महोत्सव के बारे में:**
  - गणगौर राजस्थान में विभिन्न रूपों में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है, जो हर साल चैत्र माह (हिंदू कैलेंडर **का पहला महीना**) में मनाया जाता है।
  - **"गण" भगवान शिव को और "गौरी" या "गौर" देवी पार्वती को दर्शाता है।**
  - यह पर्व मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा मनाया जाता है, जिसमें वे सुखी दांपत्य जीवन, अखंड सौभाग्य और संतान सुख की प्राप्ति के लिये **माता गौरी और भगवान शिव की पूजा** करती हैं।
  - यह त्योहार **राजस्थानी संस्कृति** और महिलाओं की अपने पतियों के प्रति समर्पण को दर्शाता है।
- **गणगौर नृत्य**
  - यह राजस्थान और मध्यप्रदेश का एक प्रसिद्ध लोक नृत्य है, जिसमें कन्याएँ एक-दूसरे का हाथ पकड़कर वृत्ताकार घेरे में घूमते हुए गौरी माँ से अपने पति की लंबी उम्र की प्रार्थना करती हैं।
  - इस नृत्य के गीतों में शिव-पार्वती, ब्रह्मा-सावित्री और विष्णु-लक्ष्मी की महिमा और प्रशंसा की गाथाएँ गाई जाती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

हिंदू सौर कैलेंडर (शक संवत)

- शक संवत का शून्य वर्ष 78 ई. है।
- इसकी **शुरुआत शक शासकों द्वारा कुषाणों पर अपनी विजय को चिह्नित करने के लिये** की गई थी।
- यह एक सौर कैलेंडर है, इसकी तिथि निर्धारण प्रणाली पृथ्वी द्वारा सूर्य के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में लगने वाले समय यानी लगभग 365 1/4 दिनों के मौसमी वर्ष पर आधारित है।
- इसे भारत सरकार द्वारा **वर्ष 1957 में आधिकारिक कैलेंडर** के रूप में अपनाया गया था।
- इसमें प्रत्येक वर्ष में 365 दिन होते हैं।

मुख्यमंत्री निशुल्क बिजली योजना

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राजस्थान सरकार ने एक घोषणा की है कि अब उपभोक्ताओं को 150 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलेगी। इसके लिये, पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट लगाने के नियमों में बदलाव किये गए हैं।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - राजस्थान में मुख्यमंत्री निशुल्क बिजली योजना के तहत अब तक 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है, जिससे प्रदेश के **1.04 करोड़ लाभार्थी** लाभान्वित हो रहे हैं।
  - किंतु अब पीएम सूर्य घर योजना के तहत अपने घरों की छत पर सोलर प्लांट लगाने पर उपभोक्ता 150 यूनिट निशुल्क बिजली उपभोग कर सकेंगे।
  - इस योजना के तहत 150 यूनिट तक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ता अपने घरों में नि:शुल्क सौर संयंत्र स्थापित करवा सकते हैं।
  - **उद्देश्य:**
    - लाभार्थी परिवारों को सस्ती और सुलभ सौर ऊर्जा से जोड़कर उन्हें अतिरिक्त लाभ प्रदान करना है।
  - **प्रावधान**
    - प्रति माह 150 यूनिट से कम बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को नजदीकी सबस्टेशनों या उपयुक्त स्थानों पर स्थापित सामुदायिक सौर संयंत्रों के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से 150 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी।
    - 150 यूनिट से अधिक खपत करने वाले परिवारों को 1.1 किलोवाट के रूफटॉप सोलर प्लांट की स्थापना के माध्यम से 150 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी।
    - प्रत्येक रूफटॉप सोलर प्लांट की लागत 50,000 रुपए (मीटरिंग को छोड़कर) है, जिसमें से 33,000 रुपए केंद्रीय वित्तीय सहायता से और 17,000 रुपए तक राज्य द्वारा प्रदान किये जाते हैं।

पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा फरवरी 2024 में शुरू की गई पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य **छतों पर सौर पैनल संस्थापित कर** एक **करोड़ घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है।**
  - इस योजना का परिव्यय **75,021 करोड़ रुपए** है और इसे वित्त वर्ष 2026-27 तक लागू किया जाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इसके अंतर्गत प्रति माह 300 यूनिट तक **मुफ्त बिजली प्रदान की जाती है** तथा **संस्थापना लागत के लिये 40% तक सब्सिडी प्रदान की जाती है,** जिससे संपूर्ण देश में सौर ऊर्जा को व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा मिलता है।
- **पात्रता:** भारतीय नागरिक, मकान मालिक, वैध बिजली कनेक्शन, परिवार द्वारा सौर पैनल से संबंधित किसी अन्य सब्सिडी का लाभ न उठाया गया हो।
  - **कार्यान्वयन:** पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का कार्यान्वयन राष्ट्रीय स्तर पर **राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसी (NPIA)** और राज्य स्तर पर **राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों (SIA) द्वारा** किया जाता है।
- **प्रमुख प्रावधान:**
  - **केंद्रीय वित्तीय सहायता (CFA):** राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से छत पर सौर पैनल स्थापित करने के लिये आवासीय उपभोक्ताओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
  - **आदर्श सौर ग्राम:** इसके तहत **प्रति ज़िले एक आदर्श सौर ग्राम** का निर्माण करना एवं सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देना शामिल है।
    - 5,000 (या विशेष राज्यों में 2,000) से अधिक आबादी वाले गाँव चयन के पात्र हैं और **ज़िला स्तरीय समिति (DLC)** द्वारा पहचान किये जाने के छह महीने बाद नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के आधार पर उनका मूल्यांकन किया जाता है।
    - **प्रत्येक ज़िले में** सर्वाधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वाले गाँव को एक करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है।

मीनाकारी कला

चर्चा में क्यों ?

थाईलैंड की यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री शिनावात्रा के पति, पिटक सुकसावत को मीनाकारी कला से सजाए गए बाघ के रूप वाले कफलिंक उपहार में दिये।

मुख्य बिंदु

- **मीनाकारी कला के बारे में:**
  - मीनाकारी कला विशेष रूप से **राजस्थान और गुजरात राज्यों** में प्रचलित है।
  - यह धातु की सतह पर खनिज पदार्थों को मिलाकर सजाने की कला है।
  - इसमें पक्षियों, फूलों और पत्तियों के नाटकीय रूपांकनों को चमकीले रंगों के साथ विभिन्न प्रकार की धातुओं पर चित्रित या अलंकृत किया जाता है।
  - इस कला की उत्पत्ति फारस (ईरान) में हुई थी और भारत में यह कला 16वीं सदी में मुगल शासन के साथ आई।
  - इस कला में धातु, पत्थर और कपड़ों पर रंग और डिज़ाइन बनाने के लिये काँच के बारीक पाउडर का उपयोग किया जाता है।
  - मीनाकारी कला के प्रमुख कलाकारों में **कुदरत सिंह** को इस कला का जादूगर माना जाता है और उन्हें वर्ष 1968 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कफलिंक्स की विशेषताएँ**
  - ये इस कला की समृद्धता को दर्शाते हैं।
  - इन कफ़लिंक्स में राजसी **बाघ** के चेहरे की आकृति साहस और नेतृत्व का प्रतीक है।
  - इन्हें उच्च गुणवत्ता वाली चाँदी पर सोने की परत चढ़ाकर तैयार किया गया है और इसमें जीवंत तामचीनी का काम किया गया है, जो भारत की समृद्ध आभूषण परंपराओं को प्रस्तुत करता है।

रेलवे स्टेशनों पर सौर ऊर्जा स्थापना में राजस्थान अग्रणी

चर्चा में क्यों ?

2 अप्रैल 2025 को लोकसभा में केंद्रीय रेल मंत्री के वक्तव्य के अनुसार कि राजस्थान सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करने वाला देश में अग्रणी राज्य बन गया है।

मुख्य बिंदु

- राजस्थान में 275 रेलवे स्टेशनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किये गए हैं, जो देश में सबसे अधिक हैं।
- वर्ष 2014-15 से 2019-20 के बीच 73 स्टेशन और 2020-21 से फरवरी, 2025 के बीच 200 और स्टेशन जोड़े गए।
- **भारतीय रेलवे की अक्षय ऊर्जा योजना:**
  - भारतीय रेलवे ने **2025-26 तक 100% विद्युतीकरण प्राप्त** करने का लक्ष्य रखा है।
  - रेलवे का उद्देश्य **2030 तक** शुद्ध-शून्य कार्बन **उत्सर्जक** बनना है।
  - इस लक्ष्य को पूरा करने के लिये रेलवे अपनी ऊर्जा की आवश्यकता को अक्षय ऊर्जा के माध्यम से पूरा करेगा, जिसमें **सौर ऊर्जा और** पवन ऊर्जा का मिश्रण होगा।
  - रेलवे अपनी अक्षय ऊर्जा की मांग को विभिन्न स्वतंत्र बिजली उत्पादकों के साथ दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौतों के माध्यम से पूरा करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 | UPSC क्लासरूम कोर्सेस | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स | दृष्टि लर्निंग ऐप

SCAN ME

नोट :

  - रेलवे अपने स्टेशनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाएगा और अपनी खाली भूमि का उपयोग करेगा।
  - भारतीय रेलवे 2030 तक अपनी खाली भूमि पर 20 गीगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य रखता है।
- **रेलवे स्टेशनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र:**
  - **शीर्ष 5 राज्य:**
    - राजस्थान - 275
    - महाराष्ट्र – 270
    - पश्चिम बंगाल - 237
    - उत्तर प्रदेश - 204
    - आंध्र प्रदेश -198

सौर ऊर्जा

- **परिचय:**
  - सौर ऊर्जा, सूरज से प्राप्त एक नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है, जिसे सीधे सूर्य के प्रकाश को इलेक्ट्रिक ऊर्जा में परिवर्तित करके प्राप्त किया जाता है। **सौर पैनल और सौर तापीय संयंत्रों** के माध्यम से इसे बिजली उत्पादन, हीटिंग और उपकरणों को ऊर्जा प्रदान करने में किया जाता है।

लाभ:

- सौर ऊर्जा की उपलब्धता पूरे दिन बनी रहती है विशेष रूप से उस समय भी जब विद्युत ऊर्जा की मांग सर्वाधिक होती है।
- सौर ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में रूपांतरित करने वाले उपकरणों की अवधि अधिक होती है और उनके रखरखाव की भी कम आवश्यकता होती है।
- पारंपरिक ताप विद्युत उत्पादन (कोयले द्वारा) के विपरीत सौर ऊर्जा से प्रदूषण की समस्या भी उत्पन्न नहीं होती है तथा स्वच्छ विद्युत ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाता है।
- देश के लगभग सभी हिस्सों में मुफ्त सौर ऊर्जा की प्रचुरता है।
- सौर ऊर्जा के उपयोग में विद्युत के तार एवं ट्रांसमिशन का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं होती है।

108 कुंडीय रुद्र महामृत्युंजय महायज्ञ

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय गृह मंत्री ने राजस्थान के **कोटपुतली में 108 कुंडीय रुद्र महामृत्युंजय महायज्ञ** की महापूर्णाहुति एवं सनातन सम्मेलन में भाग लिया।

मुख्य बिंदु

- **महायज्ञ के बारे में:**
  - **बाबा नस्तीनाथ** द्वारा एक साल तक चलाए गए महायज्ञ का मुख्य उद्देश्य **समाज के हर वर्ग को जोड़ना और समाज में धार्मिक जागरूकता फैलाना** था।
- **आध्यात्मिक और जीवनदृष्टि के सिद्धांत:**
  - केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने **बाबा नस्तीनाथ** द्वारा अपनाए गए **चार सिद्धांतों—**सत्य, तपस्या, वैराग्य और सेवा की सराहना की। इन सिद्धांतों को जीवन का आधार बनाने के लिये प्रोत्साहित किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 | UPSC क्लासरूम कोर्सेस | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स | दृष्टि लर्निंग ऐप

SCAN ME

नोट :

- ये किसी व्यक्ति के आत्मा की शुद्धि, अपने जीवन को धर्ममय बनाने और संसार की सेवा करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण सिद्धांत हैं।
- इसके अलावा, बाबा नस्तीनाथ द्वारा प्रकृति की सेवा और पशु-पक्षियों की देखभाल पर भी ज़ोर दिया गया।

- **नाथ संप्रदाय का महत्त्व:**
  - केंद्रीय गृह मंत्री ने सनातन धर्म को सशक्त करने में **नाथ संप्रदाय** के योगदान का उल्लेख करते हुए बताया कि महाप्रभु आदिनाथ से लेकर 9 गुरुओं और उनके बाद आने वाले ऊर्जा के वाहकों ने सनातन धर्म को शक्ति दी।
  - उन्होंने यह भी कहा कि नाथ संप्रदाय में धूनि को आत्मज्ञान प्राप्त करने का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम माना गया है, जो पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु के तत्त्वों को मिलाकर संतुलन और ऊर्जा प्राप्त करने की प्रक्रिया है।

नाथ संप्रदाय

- नाथ संप्रदाय एक प्रमुख हिंदू धार्मिक पंथ है, जो मध्यकाल में उत्पन्न हुआ और जिसमें **शैव, बौद्ध तथा योग की** परंपराओं का अद्वितीय समन्वय देखने को मिलता है।
- यह पंथ विशेष रूप से हठयोग की साधना पद्धति पर आधारित है, जो आत्मा के उच्चतम अनुभव और शारीरिक नियंत्रण की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- इस पंथ के प्रवर्तक **मत्स्येंद्रनाथ** माने जाते हैं, जो 9वीं सदी के एक महान भारतीय योगी और ऋषि थे।
- मत्स्येंद्रनाथ ने नाथ पंथ की नींव रखी और इसे शैव परंपरा के भीतर एक महत्त्वपूर्ण स्थान दिलवाया।
- उनके योगदान के कारण ही नाथ पंथ को व्यापक पहचान मिली और यह भारत और नेपाल में एक महत्त्वपूर्ण धार्मिक परंपरा बन गया।
- इसके अतिरिक्त, मत्स्येंद्रनाथ को तिब्बती बौद्ध धर्म में भी एक महासिद्ध के रूप में सम्मानित किया गया।
- **गोरखनाथ**, जो 10वीं सदी के एक महान गुरु थे, मत्स्येंद्रनाथ के शिष्य थे।
- गोरखनाथ ने नाथ पंथ को और अधिक विकसित किया और इसे भारत के विभिन्न हिस्सों में लोकप्रिय बनाया। गोरखनाथ को **हठयोग** का संस्थापक भी माना जाता है।

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के **शाहबाद जंगल** में **पंप स्टोरेज परियोजना** के लिये पेड़ों को काटे जाने की योजना के खिलाफ कार्यकर्त्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में**
  - शाहपुर पंप स्टोरेज परियोजना एक **ऑफ-स्ट्रीम क्लोज्ड लूप पंप स्टोरेज परियोजना है।** इसके तहत दो जलाशयों का निर्माण किया जाएगा। वहीं प्रस्तावित निचले जलाशय को भरने के लिये पास की कुनो नदी से पानी पंप किया जाएगा।
  - **पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC)** ने हैदराबाद स्थित कंपनी **ग्रीनको एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड** को बारां ज़िले की शाहाबाद तहसील में शाहपुर पंप स्टोरेज परियोजना स्थापित करने की मंज़ूरी दी है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह परियोजना कलौनी, बैंत और मुंगावली गाँवों में 624.17 हेक्टेयर भूमि को कवर करती है। इसमें से 408 हेक्टेयर क्षेत्र में जंगल हैं।
- यह परियोजना क्षेत्र शाहाबाद संरक्षण रिजर्व के अंतर्गत आता है, जोकि वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम (WPAA) 2022 **की अनुसूची-I** के तहत संरक्षित वन्यजीव प्रजातियों का घर है।

- **विरोध का कारण**
  - इस परियोजना के तहत 4 लाख से ज्यादा पेड़ काटे जाने की योजना है, जिससे जंगल नष्ट हो जाएंगे।
    - इतने बड़े पैमाने पर पेड़ काटने से जलवायु पर प्रतिकूल असर पड़ेगा और इस क्षेत्र द्वारा हर साल सोखी जा रही 22.5 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण भी रुक जाएगा।
  - इससे स्थानीय पारिस्थितिकी पर गहरा असर पड़ेगा। साथ ही, इस परियोजना के कारण स्थानीय निवासियों की जीविका भी संकट में पड़ सकती है।
  - पर्यावरणविदों का कहना है कि इससे **वन्यजीवों, वनस्पतियों और दुर्लभ औषधीय जड़ी-बूटियों** को गंभीर नुकसान हो सकता है।
  - साथ ही पेड़ों के काटे जाने से मिट्टी का भी कटाव होगा और साथ ही पर्यावरण से जुड़े महत्त्वपूर्ण लाभ भी अवरुद्ध हो सकते हैं।
  - इस जल विद्युत परियोजना से कुनो चीता योजना **के तहत नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से** लाए गए चीतों की आवाजाही और कल्याण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- **शाहबाद जंगल**
  - शाहबाद जंगल जैवविविधता से भरपूर है और यह संरक्षित वन्यजीव प्रजातियों का घर है।
  - यह जंगल राजस्थान के बारां में हैं, जो मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क में चीतों के लिये निर्धारित आवास के बेहद नज़दीक हैं।
  - शाहाबाद का वन क्षेत्र माधव राष्ट्रीय उद्यान और **चीता कॉरिडोर** के बीच स्थित है, जो प्रस्तावित परियोजना से बाधित होगा।

कूनो नदी

- कूनो नदी **कूनो राष्ट्रीय उद्यान** के मध्य से होकर बहती है और यह मध्य प्रदेश में दक्षिण से उत्तर की ओर प्रवाहित होती है।
- यह नदी विंध्यपर्वत श्रृंखला से उत्पन्न होकर मध्य प्रदेश के **गुना, शिवपुरी, श्योपुर और मुरैना** जैसे विभिन्न ज़िलों से होकर गुजरती है।
- कूनो नदी का क्षेत्र भारत की प्रसिद्ध चीता परियोजना का भी हिस्सा है, जो **कूनो राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है।**
- यह नदी क्षेत्रीय जैवविविधता का समर्थन करती है और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान (NP):

- कूनो राष्ट्रीय उद्यान (NP) (श्योपुर, मध्य प्रदेश) को **वर्ष 1981 में एक** वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था और **वर्ष 2018** में इसे राष्ट्रीय उद्यान में अपग्रेड किया गया।
- **भूगोल:** इसमें मुख्य रूप से **शुष्क पर्णपाती वन हैं** और चंबल की एक प्रमुख **सहायक नदी कुनो नदी** उद्यान से होकर बहती है।
  - यह विंध्य पर्वतमाला में स्थित है।
- **जीव-जंतु: तेंदुआ**, धारीदार लकड़बग्घा, भारतीय भेड़िया, कृष्णमृग, सांभर हिरण, घड़ियाल **(कुनो नदी)।**
  - इसका चयन भारत में चीता के आगमन हेतु कार्य योजना के अंतर्गत किया गया था।
- **वनस्पति: प्राथमिक वृक्ष प्रजातियाँ करधई, खैर** और **सलाई** हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारत का पहला सिकल सेल हब

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **राजस्थान के उदयपुर ज़िले** के **बाल चिकित्सालय** स्थित सिकल सेल **एक्सीलेंस सेंटर** में **भारत का पहला सिकल सेल वेलनेस हब** स्थापित किया गया। इसका शुभारंभ **राजस्थान के जनजाति मंत्री** द्वारा किया गया।

मुख्य बिंदु

- **वेलनेस हब के बारे में:**
  - यह हब **देश का पहला डिजिटल एक्टिव सेंटर** है, जो सिकल सेल रोगियों के लिये स्क्रीनिंग से लेकर परामर्श तक की सुविधाएँ प्रदान करता है।
  - इसका प्रमुख उद्देश्य जनजातीय समुदायों में व्यापक रूप से फैली सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम, समय रहते पहचान और प्रभावी उपचार सुनिश्चित करना है।
  - यह केंद्र रोगियों को डिजिटल माध्यम से **स्क्रीनिंग, परामर्श (counseling), और ओपीडी (Outpatient Department) सेवाएँ** एक ही स्थान पर उपलब्ध कराएगा है, जिससे दूरदराज़ के क्षेत्र भी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़े जा सकें।
  - यह पहल **राज्य और केंद्र सरकारों के साझा प्रयासों** तथा **सामाजिक संगठनों** के सहयोग से, स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक **मॉडल प्रणाली** के रूप में कार्य करेगी।
- **सिकल सेल रोग (SCD)**
  - **परिचय:**
    - SCD वंशानुगत लाल रक्त कोशिका विकारों का एक समूह है। इस रोग में हीमोग्लोबिन में विसंगति उत्पन्न हो जाती है, हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला प्रोटीन है, जो ऑक्सीजन का परिवहन करता है। SCD में लाल रक्त कोशिकाएँ **कठोर और चिपचिपी हो जाती हैं तथा C-आकार के कृषि उपकरण की तरह दिखती हैं जिसे "सिकल" कहा जाता है।**
  - **लक्षण:**
    - सिकल सेल रोग के लक्षण भिन्न हो सकते हैं, लेकिन कुछ सामान्य लक्षणों में शामिल हैं:
      - क्रोनिक एनीमिया: यह शरीर में थकान, कमज़ोरी और पीलेपन का कारण बनता है।
      - तीव्र दर्द (सिकल सेल संकट के रूप में भी जाना जाता है): यह हड्डियों, छाती, पीठ, हाथ एवं पैरों में अचानक असहनीय दर्द उत्पन्न कर सकता है।
      - यौवन व शारीरिक विकास में विलंब।
  - **उपचार:**
    - **रक्ताधान:** ये एनीमिया से छुटकारा पाने और तीव्र दर्द के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं।
    - **हाइड्रॉक्सीयूरिया:** यह दवा दर्द की निरंतरता की आवृत्ति को कम करने और बीमारी की दीर्घकालिक जटिलताओं को नियंत्रित करने में सहायता कर सकती है।
    - इसका इलाज अस्थि मज्जा या स्टेम सेल प्रत्यारोपण द्वारा भी किया जा सकता

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

चित्तौड़गढ़ किला

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया कि वह **चित्तौड़गढ़ किले** के 10 किलोमीटर के दायरे में खनन गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

मुख्य बिंदु

- **किले के बारे में:**
  - यह राजस्थान के चितौड़गढ़ में स्थित और यह भारत के सबसे विशाल किलों में से एक है। यह किला समुद्र तल से लगभग 180 मीटर ऊँची पहाड़ी पर स्थित है ।
  - इस किले का निर्माण 7वीं शताब्दी ईस्वी में **स्थानीय मौर्य वंश के शासक चित्रांगद मोरी** द्वारा करवाया गया था।
  - बाद में, वर्ष 728 ईस्वी में इस पर मेवाड़ के शासकों ने अधिकार कर लिया और इसे अपनी राजधानी बनाया। चित्तौड़गढ़ मध्यकालीन भारत में मेवाड़ की सत्ता और गौरव का केंद्र रहा है।
  - **मलिक मुहम्मद जायसी** की प्रसिद्ध काव्य रचना *'पद्मावत'* के अनुसार, अलाउद्दीन खिलजी ने मेवाड़ के राजा **रतन सिंह** की रानी **पद्मिनी** को प्राप्त करने के उद्देश्य से इस किले पर आक्रमण किया था।
  - यह किला **बादल, गोरा, महाराणा प्रताप, राणा कुम्भा, पट्टा, जयमल** जैसे कई प्रसिद्ध योद्धाओं की वीरगाथाओं से भी जुड़ा रहा है।
  - यह किला वर्ष 2013 में **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।
  - यह उन **सात पहाड़ी किलों** में से एक है, जिन्हें **'राजस्थान के पहाड़ी किले'** के रूप में सामूहिक धरोहर का दर्जा मिला था।
  - किले की प्रमुख विशेषताओं में इसके **सात द्वार** शामिल हैं – पदन द्वार, गणेश द्वार, हनुमान द्वार, भैरों द्वार, जोडला द्वार, लक्ष्मण द्वार और मुख्य द्वार **'राम पोल'**।
  - किले परिसर में **चार प्रमुख महल**, **19 मंदिर** (हिंदू एवं जैन दोनों), **20 जल स्रोत** और **चार प्रमुख स्मारक** स्थित हैं।

रामदेवरा गोडावण संरक्षण केंद्र

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के **जैसलमेर ज़िले** में स्थित **रामदेवरा गोडावण संरक्षण केंद्र** में पहली बार **कृत्रिम प्रजनन** से एक चूजे ने जन्म लिया है।

मुख्य बिंदु

- **चूजे के बारे में:**
  - इस जन्म के साथ ही **कैप्टिव ब्रीडिंग (Captive Breeding)** से जन्मे गोडावण की कुल संख्या **51** हो गई है।
  - चूजे का जन्म एक **प्राकृतिक संभोग प्रक्रिया** के ज़रिये हुआ, जिसमें **मादा जेरी** और **नर सलखा** शामिल थे।
  - इस कार्यक्रम को वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (WII), **राज्य वन विभाग**, और **अबू धाबी स्थित इंटरनेशनल फंड फॉर होउबारा कंज़र्वेशन** के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **रामदेवरा संरक्षण केंद्र**, जो 2022 **में स्थापित** किया गया था, डेज़र्ट नेशनल पार्क के पास स्थित है, जो गोडावण का प्राकृतिक आवास है।

- **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड**

- **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (Ardeotis nigriceps) राजस्थान का राजकीय पक्षी है** और भारत का सबसे **गंभीर रूप से संकटापन्न पक्षी** माना जाता है।
- यह घास के मैदान की प्रमुख प्रजाति मानी जाती है, जो चरागाह पारिस्थितिकी का प्रतिनिधित्व करती है।
- ये अधिकांशत: राजस्थान और गुजरात में पाए जाते हैं। **महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश** में यह प्रजाति कम संख्या में पाई जाती है।

- **सुरक्षा की स्थिति:**
  - **अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड लिस्ट: गंभीर रूप से संकटग्रस्त**
  - **वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES): परिशिष्ट-1**
  - **प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभिसमय (CMS): परिशिष्ट-I**
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची-1**

मरुस्थल राष्ट्रीय उद्यान

- **यह राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर ज़िलों** में स्थित है।
- इस उद्यान (पार्क) में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, **राजस्थान का राज्य पशु- चिंकारा** और **राज्य वृक्ष- खेजड़ी** और **राज्य पुष्प- रोहिड़ा प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं।**
- इसे 1980 **में UNESCO विश्व धरोहर स्थल** तथा 1992 **में राष्ट्रीय उद्यान** घोषित किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

रामगढ़ बाँध

चर्चा में क्यों?

11 अप्रैल, 2025 को **राजस्थान के जल संसाधन मंत्री** ने रामगढ़ बाँध के विभिन्न **मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कार्यों** का शिलान्यास किया।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - **रामगढ़ बाँध** के पुनरोद्धार के लिये बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत **252.93 लाख रुपए** स्वीकृत किये गए हैं। यह कार्य **अगले 12 महीनों में** पूर्ण किया जाएगा।
  - **रामजल सेतु लिंक परियोजना** के तहत **ईसरदा बाँध** से रामगढ़ बाँध तक **पानी लाने की योजना** बनाई गई है।
  - इस परियोजना के अंतर्गत **120 किमी.** की दूरी में से (**35 किमी. नहर** द्वारा और **85 किमी. पाइपलाइन** द्वारा) जल आपूर्ति की जाएगी।
  - इस परियोजना से **लगभग 3.50 लाख लोगों** को पानी मिल सकेगा।
  - **मरम्मत कार्यों में शामिल हैं:**
    - पाल की क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत
    - पैरापेट वॉल और कंट्रोल रूम का निर्माण
    - डूब क्षेत्र की सीढ़ियों, छतरी का सौंदर्यीकरण
    - पत्थर की पिचिंग आदि।
  - यह परियोजना **किसानों, पशुपालकों एवं ग्रामीणों** के लिये जल संकट से राहत दिलाने में **मील का पत्थर** साबित होगी।
  - इससे आगामी वर्षों में **रामगढ़ क्षेत्र के विकास को गति** देने के साथ-साथ **राज्य के समग्र और संतुलित विकास** को मज़बूती मिलेगी।

रामगढ़ बाँध

- इस बाँध का निर्माण **1904 में जयपुर के तत्कालीन शासक सवाई माधो सिंह द्वितीय** के शासनकाल के दौरान किया गया था।
- बाणगंगा नदी के निकट स्थित इस बाँध का **कुल जलग्रहण क्षेत्रफल 841.14 वर्ग किलोमीटर** है।
- यह बाँध **जयपुर के अनेक क्षेत्रों** जैसे **शाहपुर, आमेर, विराटनगर** तक फैला हुआ है। **75.04 मिलियन क्यूबिक मीटर** की अधिकतम जलधारण क्षमता के साथ निर्मित इस बाँध को लेकर **सरकार ने वर्ष 1978 में एक महत्त्वपूर्ण निर्णय** लिया था, जिसके अनुसार **इसका जल केवल पेयजल आपूर्ति के लिये ही उपयोग में लिया जाएगा।**

रामजल सेतु लिंक परियोजना

- यह एक **अंतरराज्यीय नदी जोड़ परियोजना** है, जिसका उद्देश्य **राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच जल संसाधनों का संतुलन बनाना** है। इसका नाम बदलकर अब **रामजल सेतु लिंक परियोजना** रखा गया है।
- इस परियोजना से चंबल नदी और उसकी सहायक नदियों — **कुन्नू, कूल, पार्वती और कालीसिंध** के **अधिशेष जल** को **बनास, मोरेल, बाणगंगा, रूपारेल, पार्वतनी और गंभीर नदी बेसिन** में भेजा जाएगा।
- इससे **राजस्थान के 17 ज़िलों** को लाभ मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

थार रेगिस्तान

चर्चा में क्यों?

एक नए अध्ययन के अनुसार, भारत के थार रेगिस्तान में विगत दो दशकों के दौरान मानसूनी वर्षा में वृद्धि और कृषि प्रसार के चलते **हरियाली (Greening) में** प्रति वर्ष **38% की वार्षिक वृद्धि** दर्ज की गई।

मुख्य बिंदु

- **थार रेगिस्तान के बारे में:**
  - **थार रेगिस्तान (द ग्रेट इंडियन डेजर्ट) की अवस्थिति:** यह भारतीय उपमहाद्वीप पर रेत की पहाड़ियों (Sand Hills) का एक शुष्क क्षेत्र है। यह **उत्तर-पश्चिमी भारत** (राजस्थान, गुजरात, पंजाब और हरियाणा) और **दक्षिण-पूर्वी पाकिस्तान** (सिंध और पंजाब प्रांत) में 200,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है।
  - **भूगोल और जलवायु:** इसकी सीमा पश्चिम में सिंधु नदी के मैदान, उत्तर और उत्तर-पूर्व में पंजाब के मैदान, दक्षिण-पूर्व में अरावली पर्वतमाला और दक्षिण में कच्छ के रण से लगती है।
    - इस रेगिस्तान में **उपोष्णकटिबंधीय रेगिस्तानी जलवायु** पाई जाती है, जिसमें लगातार उच्च दबाव और अवतलन की स्थिति बनी रहती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

  - **मृदा संरचना:** रेगिस्तान की मृदा में रेगिस्तानी, लाल रेगिस्तानी, सिरोज़ेम, लाल और पीली, लवणीय, लिथोसोल और रेगोसोल शामिल हैं।
    - ये मृदा **मोटे बनावट वाली, अच्छी जल निकासी वाली तथा कैल्शियम युक्त** होती है, जो विशिष्ट वनस्पति और कृषि के लिये सहायक होती है।
  - **जैवविविधता:** यह अपेक्षाकृत समृद्ध जैवविविधता को बढ़ावा देता है, जिसमें **ब्लू बुल (नीलगाय), ब्लैकबक, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB)** और **इंडियन गज़ेला (चिंकारा)** शामिल हैं।
  - **भारत के सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यानों** में से एक, डेजर्ट नेशनल पार्क **(राजस्थान)** यहीं स्थित है।
  - थार रेगिस्तान का लगभग **60% हिस्सा राजस्थान** राज्य में स्थित है।
  - **खनिज संसाधन:** यह रेगिस्तान में **विश्व के सबसे बड़े लिग्नाइट** कोयला भंडारों में से एक है।
  - यह जिप्सम और नमक (लवणीय झीलों- **सांभर** और **कुचामन** के साथ) से समृद्ध है।

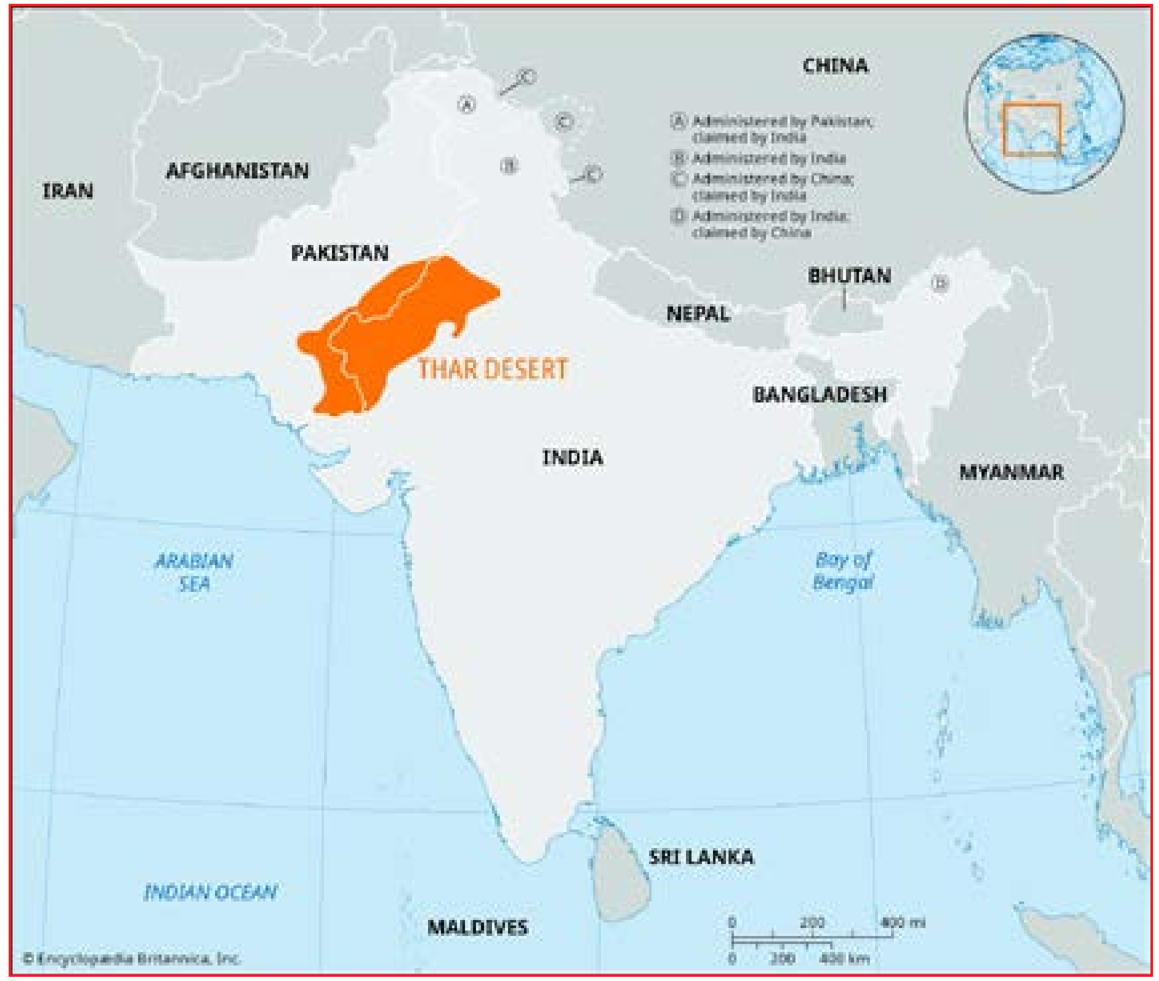

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बीसलपुर बाँध

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के **जयपुर, अजमेर और टोंक ज़िलों को पेयजल की आपूर्ति कराने वाला बीसलपुर बाँध** का पानी **तेज़ गर्मी और उच्च तापमान** के कारण वाष्पीकरण से नष्ट हो रहा है। यह स्थिति निकट भविष्य में गहरे जल संकट का कारण बन सकती है।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - वाष्पीकरण के कारण पिछले एक महीने में लगभग **15 सेंटीमीटर पानी** खत्म हो चुका है।
  - बढ़ते तापमान का असर न केवल जल स्तर पर, बल्कि बाँध से जुड़े जीविकोपार्जन पर भी पड़ रहा है। **मछुआरों को शिकार में कठिनाई हो रही है।**
    - इससे उनकी आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

बीसलपुर बाँध

- बीसलपुर बाँध, राजस्थान के टोंक ज़िले में स्थित बीसलपुर में बनास नदी पर बना एक गुरुत्वाकर्षण बाँध है।
  - गुरुत्वाकर्षण बाँध एक ऐसा बाँध होता है जो कंक्रीट या पत्थर की चिनाई से बना होता है और जल के दबाव का सामना अपने स्वयं के भार से करता है। इसका स्थायित्व पूरी तरह गुरुत्व बल पर आधारित होता है।
- इसका निर्माण **सिंचाई और पेयजल आपूर्ति** के उद्देश्य से वर्ष 1999 किया गया।
- इस बाँध का नाम **अजमेर के चौहान शासक बीसलदेव चतुर्थ** के सम्मान में रखा गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 | UPSC क्लासरूम कोर्सेस | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स | दृष्टि लर्निंग ऐप

नोट:

धनुष लीला

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के बारां ज़िले में **150 साल बाद धनुष लीला का आयोजन किया गया**, जो हाड़ौती क्षेत्र की एक प्राचीन लोक परंपरा है।

मुख्य बिंदु

- **धनुष लीला के बारे में:**

  - यह तीन दिवसीय आयोजन रामनवमी के अवसर पर किया गया और इसमें **भगवान राम द्वारा शिव धनुष भंग की लीला** को मंचित किया गया।
  - कार्यक्रम की शुरुआत **गणगौर की तीज** से होती है, जिसमें **गणपति स्थापना, आयोजन समिति का गठन** और **व्यवस्थाओं का वितरण** किया जाता है।
  - आयोजन से पूर्व **जुलूस** निकाला जाता है, जिसमें **'सर कट्या' और 'धड़ कट्या'** की सवारी प्रमुख होती है।
  - **तंत्र क्रियाओं** से युक्त झाँकियों को विशेष चौक में लाया जाता है जहाँ मंचन होता है।
  - सभी संवाद **लोकभाषा 'बही'** में लिखे गए होते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 | UPSC क्लासरूम कोर्सेस | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स | दृष्टि लर्निंग ऐप

नोट:

राजस्थान की प्रमुख लोककलाएँ

- **सांझी**
  - श्राद्ध पक्ष के 15 दिनों में कन्याएँ माता पार्वती के रूप में सांझी की पूजा करती हैं।
  - अंतिम दिन महिलाएँ थम्बुड़ा व्रत करती हैं।
- **मांडणा**
  - मांगलिक अवसरों पर घर की दीवारों व आंगन में रंगों से **ज्यामितीय चित्र** बनाए जाते हैं।
  - यह चित्र त्रिकोण, षट्कोण, वृत्त आदि आकृतियों में होते हैं।
- **फड़ कला**
  - कपड़े पर देवी-देवताओं की गाथाओं का चित्रण किया जाता है जिसे 'फड़' कहा जाता है।
  - इसका प्रमुख केंद्र **शाहपुरा (भीलवाड़ा) है**, जोशी जाति इसे बनाती है।
- **कठपुतली**
  - काष्ठ की पुतलियों को धागों से संचालित कर नाटकीय प्रस्तुति दी जाती है।
  - इनका निर्माण जयपुर, उदयपुर व चित्तौड़गढ़ में होता है।
- **बेवाण**
  - लकड़ी से बना सिंहासन, जिस पर ठाकुर जी को विराजमान कर एकादशी पर तालाब ले जाया जाता है।
  - इसका निर्माण **बस्सी (चित्तौड़गढ़)** में होता है।
- **चौपड़ा**
  - लकड़ी से बना मसाले रखने का पात्र, जिसमें 2, 4 या 6 खाने होते हैं।
  - **पश्चिमी राजस्थान में इसे 'हटड़ी' कहते हैं**, पूजन में उपयोग होता है।
- **तौरण**
  - विवाह के समय वर द्वारा वधु के घर द्वार पर लकड़ी की कलात्मक आकृति लगाई जाती है।
  - इस पर मयूर या सुवा की आकृति होती है, जिसे तलवार या हरी टहनी से स्पर्श किया जाता है।

बर्तन बैंक योजना

चर्चा में क्यों?

12 अप्रैल, 2025 को राजस्थान के बारां जिले को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु राज्य शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने **बर्तन बैंक योजना** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- यह योजना विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाई गई है।
- योजना के तहत **तीन रुपए** में बर्तन सेट किराए पर उपलब्ध होंगे, जो शादी और अन्य सामाजिक आयोजनों के लिये उपयोग किये जा सकेंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- प्रारंभ में 24 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है और भविष्य में सभी ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक स्थापित किये जाएंगे।
- हर बर्तन पर ग्राम पंचायत का नाम और 'स्वच्छ भारत मिशन' अंकित किया जाएगा।
- विशेष वर्गों, जैसे **बीपीएल, अनुसूचित जाति, जनजाति और दिव्यांगजन को किराए** में 50 प्रतिशत छूट मिलेगी।
- बर्तनों की देखरेख स्वयं सहायता समूहों के जिम्मे होगी और संचालन **राजीविका** के माध्यम से किया जाएगा।
  - राजीविका राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) के तहत एक कार्यक्रम है, जो स्वयं **सहायता समूहों** (SHG) और अन्य आजीविका पहलों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है।
- योजना के लिये राज्य सरकार ने प्रत्येक ग्राम पंचायत को **1 लाख रुपए** की राशि प्रदान करने का निर्णय लिया है।

स्वच्छ भारत मिशन (SBM)

- **परिचय**
  - यह एक वृहत जन आंदोलन है जिसका लक्ष्य वर्ष 2019 तक स्वच्छ भारत का निर्माण करना था। **महात्मा गांधी** सदैव स्वच्छता पर बल देते थे क्योंकि स्वच्छता से स्वस्थ और समृद्ध जीवन की राह खुलती है।
  - इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 2 अक्टूबर 2014 (गांधी जयंती) के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन की नींव रखी। यह मिशन सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को दायरे में लेता है।
    - इस मिशन के शहरी घटक का क्रियान्वयन आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा और ग्रामीण घटक का क्रियान्वयन जल शक्ति मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

कोटा में संविधान पार्क

चर्चा में क्यों?

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजस्थान के **कोटा में प्रस्तावित संविधान पार्क** के लिये चिन्हित स्थल का निरीक्षण किया।

मुख्य बिंदु

- **संविधान पार्क के बारे में:**
  - 12,000 वर्ग मीटर में विकसित किया जाने वाला यह पार्क **कोटा शहर** को नई **सांस्कृतिक और बौद्धिक** पहचान प्रदान करेगा।
  - पार्क का प्रवेश द्वार भारतीय संविधान की प्रस्तावना – **"न्याय, समानता और बंधुता"** को दर्शाएगा।
  - केंद्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर की **गनमेटल से निर्मित भव्य प्रतिमा** स्थापित की जाएगी।
  - **20 फीट ऊँची दिवार** पर संविधान निर्माण की ऐतिहासिक घटनाएँ चित्रित की जाएंगी।
  - **मौलिक अधिकार मार्ग** में नागरिक अधिकारों को **शिल्प और मूर्तिकला** के माध्यम से दर्शाया जाएगा।
  - पार्क में **डिजिटल माध्यमों** से संविधान निर्माण में योगदान देने वाली विभूतियों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।
- **उद्देश्य:**
  - संविधान की मूल भावना 'न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता' को जनसामान्य तक पहुँचाना।
  - **छात्रों, शोधार्थियों, नागरिकों और पर्यटकों** के लिये एक **प्रेरणादायक केंद्र** बनाना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

संविधान के बारे में

- भारत का संविधान विश्व के किसी भी संप्रभु देश का **सबसे लंबा लिखित संविधान** है।
- भारत का संविधान **प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा** द्वारा सुलेख फॉन्ट में हस्तलिखित था और प्रत्येक पृष्ठ को नंदलाल बोस के मार्गदर्शन में **शांतिनिकेतन के कलाकारों द्वारा अलंकृत किया गया** था।
  - संविधान के निर्माण में 2 वर्ष, 11 महीने और 18 दिन लगे।
  - भारतीय संविधान की मूल संरचना भारत सरकार अधिनियम, 1935 पर आधारित है।
  - भारत का संविधान भारत को एक **संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य** घोषित करता है जो अपने नागरिकों को न्याय, समानता एवं स्वतंत्रता का आश्वासन देता है तथा बंधुत्व को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।
  - भारत के संविधान का निर्माण संविधान सभा द्वारा किया गया। भारत की संविधान सभा ने संविधान के निर्माण से संबंधित विभिन्न कार्यों से निपटने के लिये कुल 13 समितियों का गठन किया।
  - भारत के संविधान का प्रारूप सात सदस्यों की एक समिति द्वारा तैयार किया गया था, जिसके अध्यक्ष **डॉ. बी.आर. अंबेडकर** थे, जिन्हें **भारतीय संविधान का जनक** माना जाता है।
  - भारत का संविधान कई अन्य संविधानों से प्रेरित था, जैसे कि अमेरिकी संविधान, यूके संविधान, आयरिश संविधान, फ्राँसीसी संविधान, कनाडाई संविधान, ऑस्ट्रेलियाई संविधान और जापानी संविधान।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

रणथंभौर टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों

16 अप्रैल, 2025 को राजस्थान के **रणथंभौर टाइगर रिज़र्व** में स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर के निकट एक बाघ के हमले में सात वर्षीय बालक की मृत्यु हो गई।

मुख्य बिंदु

- **रणथंभौर टाइगर रिज़र्व के बारे में:**
  - रणथंभौर टाइगर रिज़र्व राजस्थान राज्य के पूर्वी भाग में करौली और सवाई माधोपुर ज़िलों में अरावली तथा विंध्य पर्वत शृंखलाओं के संगम पर स्थित है।
  - इसमें रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान के साथ-साथ **सवाई मानसिंह** और **कैलादेवी अभयारण्य** भी शामिल हैं।
  - रणथंभौर किला, जिसके नाम से जंगलों का नाम पड़ा है, के बारे में कहा जाता है कि इसका इतिहास 1000 वर्ष से भी ज़्यादा पुराना है। यह उद्यान के भीतर 700 फीट ऊँची पहाड़ी पर रणनीतिक रूप से स्थित है।
    - इसका निर्माण 944 ई. में एक चौहान शासक ने कराया था।
  - बाघों से आच्छादित यह पृथक क्षेत्र **बंगाल बाघ के वितरण क्षेत्र की उत्तर-पश्चिमी सीमा का प्रतिनिधित्व करता है और यह देश में संरक्षण के लिये प्रोजेक्ट टाइगर के प्रयासों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।**
- **विशेषताएँ:**
  - इस रिज़र्व में अत्यधिक खंडित वन क्षेत्र, खड्ड, नदी-नाले और कृषि भूमि शामिल हैं।
  - यह कैलादेवी वन्यजीव अभयारण्य के कुछ हिस्सों, चंबल के खड्डों वाले आवासों और श्योपुर के वन क्षेत्रों के माध्यम से **मध्य प्रदेश के कुनो-पालपुर परिदृश्य से जुड़ा** हुआ है।
  - चंबल नदी **की सहायक नदियाँ** बाघों को कुनो राष्ट्रीय उद्यान की ओर जाने के लिये आसान मार्ग प्रदान करती हैं।
- **वनस्पति एवं वन्य जीवन:**
  - **वनस्पति** में पठारों पर घास के मैदान और मौसमी नदियों के किनारे घने जंगल शामिल हैं।
    - यहाँ का जंगल मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती **है, जिसमें 'ढाक' (ब्यूटिया मोनोस्पर्मा)** नामक वृक्ष की प्रजाति सबसे आम है, जो लंबे समय तक सूखे को झेलने में सक्षम है।
    - **इस पेड़ को 'जंगल की आग' भी कहा जाता है** और यह उन कई फूलों वाले पौधों में से एक है, जो यहाँ की शुष्क गर्मियों में रंग भर देते हैं।
  - यह उद्यान **वन्य जीवन** से समृद्ध है, जिसमें स्तनधारियों में बाघ खाद्य शृंखला के शीर्ष पर हैं।
  - यहाँ पाए जाने वाले अन्य जानवरों में तेंदुए, धारीदार लकड़बग्घा, सामान्य या हनुमान लंगूर, **रीसस मकाक**, सियार, जंगली बिल्लियाँ, कैराकल, **काला हिरण**, ब्लैकनेप्ड खरगोश और चिंकारा आदि शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

डाटा सेंटर पॉलिसी-2025

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान सरकार ने **डाटा सेंटर्स की बढ़ती महत्ता** को ध्यान में रखते हुए **"राजस्थान डाटा सेंटर पॉलिसी-2025"** लागू की है।

मुख्य बिंदु

- **नीति के बारे में:**
  - **इस नीति का उद्देश्य:** राजस्थान को डाटा सेंटर्स के लिये **प्रमुख केंद्र** बनाना, निवेश को आकर्षित करना और **आईटी क्षेत्र में रोज़गार** के अवसर उत्पन्न करना।
  - निवेशकों को व्यापक रियायतें, पर्यावरण अनुकूल प्रोत्साहन और आधुनिक अवसंरचना उपलब्ध कराई जाएंगी।
  - **इस निति के तहत** अगले पाँच वर्षों में **20,000 करोड़ रुपए** का निवेश आकर्षित करने की योजना है।
- **प्रमुख प्रावधान**
  - **डाटा सेंटर सेक्टर** को बढ़ावा देने के लिये कई आकर्षक प्रावधान किये गए हैं, जिनमें **10 वर्षों तक 10 से 20 करोड़ रुपए वार्षिक एसेट क्रिएशन इंसेंटिव** शामिल है।
  - जो निजी कंपनियाँ राज्य में **100 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश** करेंगी, उन्हें अतिरिक्त रूप से **25 प्रतिशत सनराइज इंसेंटिव** दिया जाएगा।
  - नीति के अंतर्गत **5 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान** प्रदान किया जाएगा, जिससे डाटा सेंटर्स की स्थापना लागत में कमी आएगी।
  - डाटा सेंटर्स को **बैंकिंग, ट्रांसमिशन और व्हीलिंग शुल्क में 100 प्रतिशत छूट** दी जाएगी।
  - भूमि संबंधी प्रक्रियाओं में लचीलापन लाने हेतु **फ्लेक्सिबल भुगतान व्यवस्था**, साथ ही स्टांप ड्यूटी, **भू-रूपांतरण शुल्क** और **विद्युत शुल्क** में भी छूट दी गई है।
  - इसके अतिरिक्त, डाटा सेंटर्स को **10 करोड़ रुपए तक बाह्य विकास शुल्क से छूट** प्रदान की जाएगी।
  - इस नीति में पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी गई है, जिसके अंतर्गत **ग्रीन सॉल्यूशन पर किये गए व्यय** का **50 प्रतिशत पुनर्भरण**, अधिकतम **12.5 करोड़ रुपए तक**, किया जाएगा।
  - कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने के लिये, उनके **प्रशिक्षण या कार्यकुशलता सुधार** पर की गई लागत का **50 प्रतिशत पुनर्भरण** किया जाएगा।
  - राज्य सरकार ने बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे GI टैग, पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क **पंजीयन** पर भी सहायता देने का प्रावधान किया है, जो अधिकतम **1 करोड़ रुपए तक 50 प्रतिशत** तक हो सकती है।
  - नीति में **बिल्डिंग बायलॉज** में छूट और **सतत विद्युत आपूर्ति** सुनिश्चित करने के प्रावधान भी शामिल हैं, जिससे डाटा सेंटर्स की **संचालन क्षमता और सुरक्षा** सुनिश्चित हो सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बौद्धिक संपदा अधिकार

- व्यक्तियों को उनके **बौद्धिक सृजन** के परिप्रेक्ष्य में प्रदान किये जाने वाले अधिकार ही **बौद्धिक संपदा अधिकार** (Intellectual Property Rights) कहलाते हैं। वस्तुत: ऐसा समझा जाता है कि यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार का बौद्धिक सृजन (जैसे **साहित्यिक कृति की रचना, शोध, आविष्कार** आदि) करता है, तो सर्वप्रथम इस पर उसी व्यक्ति का **अनन्य अधिकार** होना चाहिये। चूँकि यह अधिकार बौद्धिक सृजन के लिये ही दिया जाता है, अत: इसे **बौद्धिक संपदा अधिकार** की संज्ञा दी जाती है।
- **बौद्धिक संपदा अधिकार** दिये जाने का मूल उद्देश्य **मानवीय बौद्धिक सृजनशीलता को प्रोत्साहन** देना है। बौद्धिक संपदा अधिकारों का क्षेत्र व्यापक होने के कारण यह आवश्यक समझा गया कि **क्षेत्र विशेष** के लिये उसके **संगत अधिकारों** एवं **संबद्ध नियमों** आदि की व्यवस्था की जाए।

मृदा एवं खाद स्वराज अभियान

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के दक्षिणी क्षेत्र, विशेष रूप से आदिवासी बहुल क्षेत्रों में **"मृदा एवं खाद स्वराज अभियान"** के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य में सुधार की दिशा में महत्त्वपूर्ण पहल की जा रही है।

मुख्य बिंदु:

- **अभियान के बारे में:**
  - इसका उद्देश्य मृदा स्वास्थ्य में सुधार लाना, जैविक खेती को बढ़ावा देना और ग्रामीण महिलाओं को खेती और नेतृत्व में सशक्त बनाना है।
  - यह **स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और आत्मनिर्भरता** की दिशा में एक मज़बूत कदम है।
  - यह अभियान **राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के त्रि-संगम पर स्थित छह आदिवासी बहुल ज़िलों** को कवर करेगा।
  - **दक्षिणी राजस्थान के बांसवाड़ा** और आस-पास के क्षेत्रों में इसका मुख्य क्रियान्वयन किया जा रहा है।
  - इस अभियान में **गाय के गोबर और खेत की खाद को वैज्ञानिक तरीकों से उन्नत करना** तथा **रॉक फॉस्फेट और** जैव उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाना शामिल है।
  - **महिलाओं को निम्न कार्यों में प्रशिक्षित किया जाएगा:**
    - मृदा परीक्षण
    - जैविक खाद निर्माण
    - सहकारी समितियों का गठन और प्रबंधन
  - यह अभियान राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) और मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना जैसे कार्यक्रमों से समन्वय स्थापित करता है।
  - **इस अभियान के अंतर्गत:**
    - **गड्ढा निर्माण, सामग्री वितरण और सामुदायिक कार्यक्रमों** के आयोजन से कृषि उत्पादकता बढ़ाई जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- किसानों की **रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटेगी** और **इनपुट लागत में 15-20% तक की कमी** आएगी।
- **फसल उत्पादन में 20-30% तक की वृद्धि** संभव है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)

- यह वर्ष 2011 में ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम है।
- इसका उद्देश्य देश भर में ग्रामीण गरीब परिवारों के लिये **अनेक प्रकार की आजीविकाओं को बढ़ावा देने** और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुँच के माध्यम से ग्रामीण गरीबी को खत्म करना है।
- इसमें स्वयं सहायता की भावना से सामुदायिक पेशेवरों के माध्यम से सामुदायिक संस्थानों के साथ कार्य करना शामिल है, **जो DAY-NRLM का एक अनूठा प्रस्ताव है।**
  - यह आजीविका को प्रभावित करता है, जैसे:
    - ग्रामीण परिवारों को SHGs में संगठित करना।
    - **प्रत्येक ग्रामीण गरीब परिवार** से एक महिला सदस्य को स्वयं सहायता समूहों में संगठित करना।
    - **SHG सदस्यों को प्रशिक्षण** और क्षमता निर्माण में सहायता करना।
    - अपने स्वयं के संस्थानों और बैंकों से वित्तीय संसाधनों तक पहुँच प्रदान करना।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना

- 19 फरवरी, 2015 को राजस्थान के श्रीगंगानगर ज़िले के सूरतगढ़ में राष्ट्रव्यापी **'राष्ट्रीय मृदा सेहत कार्ड' योजना** का शुभारंभ किया गया।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश भर के किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किये जाने में राज्यों का सहयोग करना है।
- इस योजना की थीम है: **स्वस्थ धरा, खेत हरा।**
- इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण युवा एवं किसान जिनकी आयु 40 वर्ष तक है, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना एवं नमूना परीक्षण कर सकते हैं।
- प्रयोगशाला स्थापित करने में 5 लाख रूपए तक का खर्च आता हैं, जिसका 75 प्रतिशत केंद्र एवं राज्य सरकार वहन करती है। स्वयं सहायता समूह, कृषक सहकारी समितियाँ, कृषक समूह या कृषक उत्पादक संगठनों के लिये भी यहीं प्रावधान है।
- योजना के तहत मृदा की स्थिति का आकलन नियमित रूप से राज्य सरकारों द्वारा हर 2 वर्ष में किया जाता है, ताकि पोषक तत्त्वों की कमी की पहचान के साथ ही सुधार लागू हो सकें।

संत धन्ना भगत जयंती

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने **जयपुर ज़िले के फागी क्षेत्र** की **नोखा-नाड़ी** स्थित **संत धन्ना भगत जी की जन्मस्थली** पर आयोजित **जयंती महोत्सव** में भाग लिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
दृष्टि लर्निंग ऐप

मुख्य बिंदु:

- **धन्ना भगत के बारे में:**

  - वह एक रहस्यवादी कवि थे, जिनका जन्म 20 अप्रैल 1415 को हुआ था, तथा जिनके भजन **आदि ग्रंथ** में संकलित हैं।
  - उनकी स्मृति में स्थापित गुरुद्वारे आज भी आस्था के केंद्र बने हुए हैं, जो सिख समुदाय के श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं।
- **जयंती महोत्सव के बारे में:**
  - इस अवसर पर उन्होंने संत की शिक्षाओं को आज के समय में भी प्रासंगिक बताते हुए राज्य सरकार की **धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक योजनाओं** की घोषणा की।
  - संत धन्ना भगत जी ने भक्ति मार्ग को अपनाकर **मानव सेवा** और **कर्म की प्रधानता** का संदेश दिया।
  - उन्होंने **जात-पात का विरोध** कर समाज में व्याप्त **कुरीतियों** को समाप्त करने हेतु **साहित्य और उपदेशों** के माध्यम से योगदान दिया।
  - धन्ना भगत जी को **हिंदू और सिख समुदायों** में समान श्रद्धा और सम्मान प्राप्त है।
  - मुख्यमंत्री ने संत को **सामाजिक समानता, आध्यात्मिक जागरूकता और सरल जीवन** का प्रतीक बताया।
- **राज्य सरकार की घोषणाएँ और पहल:**
  - **पुजारियों के मानदेय में वृद्धि** करते हुए उसे **₹7500 प्रति माह** किया गया।
  - मंदिरों में **भोग की राशि ₹3000 प्रति माह** तक बढ़ाई गई है।
  - धार्मिक स्थलों के उन्नयन हेतु **₹101 करोड़** तथा **देवस्थान विभाग के अधीन राज्य के बाहर स्थित मंदिरों** के लिये **₹60 करोड़** के कार्य स्वीकृत किये गए हैं।
  - **वरिष्ठ नागरिकों की तीर्थ यात्रा योजना** के तहत:
    - **6000 वरिष्ठजनों को हवाई मार्ग** से यात्रा करवाई जाएगी।
    - **50,000 वरिष्ठजनों को AC ट्रेन से तीर्थ यात्रा** कराई जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
दृष्टि लर्निंग ऐप

मोबाईल वैटेरीनरी यूनिट्स

चर्चा में क्यों?

राजस्थान में **मोबाइल वेटरिनरी यूनिट्स (MVU)** और इससे जुड़ी **1962-एमवीयू** चैटबॉट सेवा के प्रचार-प्रसार के लिये राज्य सरकार ने एक विशेष अभियान की शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु:

- **मोबाइल वेटरिनरी यूनिट्स (MVUs)** योजना के अंतर्गत प्रदेश में पिछले एक वर्ष में **41 लाख से अधिक पशुओं** को चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा चुकी है।
- चैटबॉट **नंबर 9063475027** को लॉन्च किया गया है, जो **WhatsApp** आधारित सेवा है और **टेली-कंसल्टेंसी** की सुविधा उपलब्ध कराता है।
- योजना का संचालन कॉल सेंटर **1962** के माध्यम से किया जा रहा है, जिसे लगभग **छह महीने** पहले शुरू किया गया था।
- कॉल सेंटर संचालनकर्त्ता कंपनी **BFIL**, जो इंडसइंड बैंक की सहायक है, योजना का कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत वित्तपोषण कर रही है।
- योजना का **प्रचार-प्रसार अभियान** शुरू किया गया है, जिसमें:
  - **10 लाख पशुपालकों** को SMS द्वारा जानकारी दी जाएगी।
  - **180 स्थानों** पर डिजिटल वॉल ब्रांडिंग होगी।
  - **ई-रिक्शा व टैंपो** के माध्यम से ऑडियो प्रचार।
  - **7 लाख पर्चे** वितरित होंगे।
  - **100 पशु चिकित्सालयों** में साइनेज लगाया जाएगा।
  - **की-चेन, कैलेंडर और अन्य प्रचार सामग्री** वितरित की जाएगी।
- **उद्देश्य:**
  - पशुपालकों को **चिकित्सा सेवाएँ उनके घर** पर उपलब्ध कराना।
  - MVU योजना को **ज्यादा पशुपालकों तक पहुँचाना**।
  - सेवा की पहुँच और उपयोग को **बढ़ाना व सशक्त करना**।
  - **डिजिटल और** AI तकनीक के माध्यम से पशुपालन क्षेत्र में **पारदर्शिता और कुशलता** लाना।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)

- सामान्यत: कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) को पर्यावरण पर कंपनी के प्रभाव तथा सामाजिक कल्याण पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने तथा उसकी ज़िम्मेदारी लेने के लिये कॉर्पोरेट पहल के रूप में संदर्भित किया जा सकता है।
- **यह एक स्व-विनियमन व्यवसाय मॉडल है जो किसी कंपनी को सामाजिक रूप से जवाबदेह बनने में मदद करता है।** कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का पालन करके, **कंपनियाँ आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कारकों पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति सचेत हो सकती हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

- **भारत पहला देश है** जिसने कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड 135 के अंतर्गत संभावित **CSR** गतिविधियों की पहचान के लिये रूपरेखा के साथ **CSR व्यय को अनिवार्य बनाया है।**
  - CSR केवल उन्हीं कंपनियों के लिये अनिवार्य है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के तहत लागू होती हैं, जैसे कि जिनकी नेटवर्थ 500 करोड़ रुपए या उससे अधिक, टर्नओवर 1000 करोड़ रुपए या उससे अधिक या शुद्ध लाभ 5 करोड़ रुपए या उससे अधिक होता है।
- भारत के विपरीत, **अधिकांश देशों में स्वैच्छिक CSR फ्रेमवर्क हैं।** नॉर्वे और स्वीडन ने अनिवार्य CSR प्रावधानों को अपनाया है, लेकिन उन्होंने स्वैच्छिक मॉडल के साथ शुरुआत की।

एकमुश्त समाधान योजना

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने किसानों और लघु उद्यमियों को राहत देने तथा भूमि विकास बैंकों की वित्तीय स्थिति मज़बूत करने के उद्देश्य से एकमुश्त समझौता योजना (OTS) लागू की है।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - राजस्थान सरकार ने वित्तीय वर्ष **2025-26 के बजट** में इसकी घोषणा की थी और इसका **प्रथम चरण 1 मई से 30 सितंबर 2025** तक प्रभावी रहेगा।
  - यह योजना **राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड (RMFDCC)** द्वारा वितरित ऋणों पर लागू होगी, जो **31 मार्च 2024** तक **अतिदेय (Overdue)** हो चुके हैं।
  - पात्र ऋणियों को **30 सितंबर 2025** तक **समस्त बकाया मूलधन** का **एकमुश्त भुगतान** करना होगा।
  - एकमुश्त भुगतान करने पर **साधारण ब्याज एवं दंडनीय ब्याज पर शत-प्रतिशत छूट** प्रदान की जाएगी।
  - **एकमुश्त समझौता योजना** का लाभ भूमि विकास बैंकों **से जुड़े 36,351 ऋणी सदस्यों** को मिलेगा।
  - योजना का उद्देश्य **760 करोड़ रुपए के अवधिपार ऋणों** की वसूली करना है।
  - ऋणी सदस्य योजना के तहत **5 प्रतिशत अनुदान** के साथ **पुन: ऋण लेने के पात्र** होंगे।
  - इस योजना के लिये राज्य सरकार द्वारा **200 करोड़ रुपए का व्यय प्रस्तावित** किया गया है।
- **महत्त्व**
  - राज्य सरकार को **बकाया ऋण की वसूली** में सहायता मिलेगी।
  - **ऋणियों पर आर्थिक बोझ** कम होगा जिससे वे अन्य योजनाओं से जुड़ने के लिये प्रेरित होंगे।
  - अल्पसंख्यक वर्ग में **सरकारी योजनाओं के प्रति विश्वास** और सहभागिता बढ़ेगी।
  - ऋण पुनर्भुगतान की दिशा में **जागरूकता और उत्तरदायित्व** की भावना विकसित होगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

भूमि विकास बैंक के बारे में

- **परिचय**
  - **भूमि विकास बैंक (Land Development Bank - LDB)** विशेष रूप से **कृषि और ग्रामीण विकास** के लिये स्थापित सहकारी बैंक हैं।
  - ये बैंक **दीर्घकालिक ऋण** प्रदान करते हैं, जो मुख्य रूप से किसानों को भूमि सुधार, **सिंचाई**, बागवानी, **कृषि उपकरण खरीदने**, पशुपालन **और अन्य कृषि संबंधी गतिविधियों** के लिये दिये जाते हैं।
- **इतिहास**
  - भारत में पहला **भूमि विकास बैंक वर्ष 1920 में पंजाब के झंग में** स्थापित किया गया था।
  - इसके बाद वर्ष **1929 में चेन्नई में एक और बैंक की स्थापना** हुई, जिसके साथ भूमि विकास बैंकों का विस्तार शुरू हुआ।
- **वित्त के स्रोत**
  - केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा अनुदान और सहायता।
  - कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिये वित्तपोषण।
  - दीर्घकालिक वित्त जुटाने हेतु बॉन्ड्स का निर्गम।
  - विभिन्न सहकारी एवं वाणिज्यिक बैंकों से ऋण।

आमेर किला

चर्चा में क्यों?

अपने परिवार सहित भारत की **चार दिवसीय यात्रा** के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति **जेडी वेंस** ने प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** से मुलाकात की और जयपुर में भारत-अमेरिका संबंधों पर चर्चा की।

मुख्य बिंदु

- **यात्रा के बारे में:**
  - वेंस परिवार का स्वागत पारंपरिक **राजस्थानी शैली** में **आमेर किले** में किया गया, जिसमें **कच्ची घोड़ी, घूमर और** कालबेलिया नृत्य शामिल रहे।
  - जयपुर में **राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC)** में उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों पर चर्चा करते हुए भारत के **संस्कृतिक अनुभव** की सराहना की।
- **आमेर किला**
  - **परिचय**
    - **आमेर किला** (Amber Fort) जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, राजस्थान की राजधानी **जयपुर** से लगभग **11 किलोमीटर** दूर अरावली पर्वतमाला में स्थित है।
    - यह भारत के सबसे प्रसिद्ध राजपूत किलों में से एक है और अपनी **भव्य** वास्तुकला, **ऐतिहासिक महत्त्व और सांस्कृतिक वैभव** के कारण अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **इतिहास और स्थापत्य**
  - आमेर किला हिंदू स्थापत्य **और राजपूत वास्तुकला** का बेहतरीन उदाहरण है। इसकी संरचना में **राजस्थानी और मुग़ल शैली** का सम्मिश्रण देखा जा सकता है।
  - आमेर किला कभी **कछवाहा राजपूतों की राजधानी** हुआ करता था। इसका निर्माण **राजा मानसिंह प्रथम** ने **16वीं शताब्दी के अंत** में प्रारंभ किया था।
  - बाद में **राजा जयसिंह प्रथम** और **सवाई जयसिंह द्वितीय** ने इसमें कई महत्त्वपूर्ण परिवर्तन और विस्तार किये।
  - किले का निर्माण **चार चरणों** में किया गया और यह मुख्यत: **हल्के पीले, गुलाबी बलुआ पत्थर और** सफेद संगमरमर से निर्मित है।
  - किला चार मुख्य खंडों में विभाजित है और प्रत्येक खंड का अपना-अपना **प्रांगण** (courtyard) है।
- **प्रमुख संरचनाएँ और आकर्षण**
  - इसमें एक **'दीवान-ए-आम'** (सार्वजनिक श्रोताओं का हॉल), **'दीवान-ए-खास'** (निजी श्रोताओं का हॉल), एक **'शीश महल'** (दर्पण महल) और एक **'सुख निवास'** शामिल हैं।
    - सुख निवास अपनी विशिष्ट शीतलता के लिये जाना जाता है, जो झरनों के ऊपर बहने वाली हवाओं द्वारा उत्पन्न होती है।

कालबेलिया नृत्य

- कालबेलिया नृत्य कालबेलिया समुदाय के पारंपरिक जीवनशैली की एक अभिव्यक्ति है। यह **इसी नाम की एक राजस्थानी जनजाति** से संबंधित है।
- इसे वर्ष 2010 में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठनों (UNESCO) की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH) की सूची में शामिल किया गया था।
  - **UNESCO की** प्रतिष्ठित सूची उन अमूर्त विरासतों से मिलकर बनी है जो सांस्कृतिक विरासत की विविधता को प्रदर्शित करने और इसके महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करते हैं।
  - यह सूची 2008 में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा पर कन्वेंशन के समय स्थापित की गई थी।

- इस नृत्य रूप में घूमना और रमणीय संचरण शामिल है, जो इस नृत्य को देखने लायक बनाता है।
- यह प्राय: किसी भी खुशी के उत्सव पर किया जाता है और इसे **कालबेलिया संस्कृति** का एक अभिन्न अंग माना जाता है।
- इसे **केवल महिलाओं द्वारा प्रस्तुत किया** जाता है, जबकि **पुरुष वाद्य यंत्र बजाते हैं और संगीत प्रदान** करते हैं।

मनरेगा योजना

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने गर्मी के मौसम में श्रमिकों की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) के तहत किये जाने वाले कार्यों के समय में परिवर्तन किया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **मनरेगा के बारे में:**
  - MGNREGA ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा **वर्ष 2005** में शुरू किये गए विश्व के सबसे बड़े रोज़गार गारंटी कार्यक्रमों में से एक है।
  - यह योजना न्यूनतम वेतन पर सार्वजनिक कार्यों से संबंधित अकुशल शारीरिक कार्य करने के इच्छुक किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम **सौ दिनों** के रोज़गार की कानूनी गारंटी प्रदान करता है।
  - **सक्रिय कर्मचारी:** 14.32 करोड़ (सत्र 2023-24)
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **MGNREGA के डिज़ाइन की आधारशिला इसकी कानूनी गारंटी है**, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी ग्रामीण वयस्क कार्य के लिये अनुरोध कर सकता है और उसे 15 दिनों के भीतर कार्य मिलना चाहिये।
    - यदि यह प्रतिबद्धता पूरी नहीं होती है, तो "बेरोज़गारी भत्ता" प्रदान किया जाना चाहिये।
  - इसके लिये आवश्यक है कि महिलाओं को इस तरह से प्राथमिकता दी जाए कि कम से कम एक तिहाई महिलाएँ लाभार्थी हों जिन्होंने पंजीकरण कराकर काम के लिये अनुरोध किया हो।
  - MGNREGA की धारा 17 में मनरेगा के तहत निष्पादित सभी कार्यों का सामाजिक लेखा-परीक्षण अनिवार्य है।
- **क्रियान्वित संस्था:**
  - भारत सरकार का ग्रामीण विकास मंत्रालय (MRD) राज्य सरकारों के साथ मिलकर इस योजना के संपूर्ण क्रियान्वयन की निगरानी कर रहा है।
- **उद्देश्य:**
  - यह अधिनियम ग्रामीण लोगों की क्रय शक्ति में सुधार लाने के उद्देश्य से पेश किया गया था, इसका उद्देश्य मुख्य रूप से ग्रामीण भारत में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को अर्ध या अकुशल कार्य प्रदान करना है।
  - यह देश में अमीर और गरीब के बीच के अंतर को कम करने का प्रयास करता है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (NFSA) के अंतर्गत **अपात्र लाभार्थियों** को सूची से **स्वेच्छा से बाहर करने** के लिये राजस्थान के **खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग** द्वारा **'गिव-अप' अभियान** चलाया गया है।

- जिसके तहत **राज्य स्तर पर 17 लाख 63 हज़ार से अधिक** अपात्र व्यक्तियों ने स्वयं को योजना से **गिव-अप** किया है।

मुख्य बिंदु

- **गिवअप अभियान के बारे में:**
  - राजस्थान सरकार द्वारा **'गिवअप अभियान'** की शुरुआत **नवंबर 2024** में की गई थी, जिसका उद्देश्य **सक्षम एवं अपात्र** लोगों को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ **स्वेच्छा से** छोड़ने के लिये प्रेरित करना था।
  - यह अभियान उन लोगों को लक्षित करता है जो गरीबी रेखा **से ऊपर** उठ चुके हैं और अब इस योजना की पात्रता नहीं रखते।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 | UPSC क्लासरूम कोर्सेस | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स | दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

- **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013**
  - यह खाद्य सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण में एक आमूलचूल परिवर्तन को इंगित करता है जहाँ अब यह कल्याण (welfare) के बजाए अधिकार-आधारित दृष्टिकोण (rights-based approach) में बदल गया है।
    - NFSA निम्नलिखित माध्यमों से ग्रामीण आबादी के 75% और शहरी आबादी के 50% को दायरे में लेता है:
      - **अंत्योदय अन्न योजना:** इसमें निर्धनतम आबादी को दायरे में लिया गया है जो प्रति परिवार प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्राप्त करने के हकदार हैं।
      - **प्राथमिकता वाले परिवार (Priority Households- PHH):** PHH श्रेणी के अंतर्गत शामिल परिवार प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलोग्राम खाद्यान्न प्राप्त करने के हकदार हैं।
  - NFSA निम्नलिखित माध्यमों से ग्रामीण आबादी के 75% और शहरी आबादी के 50% को दायरे में लेता है:
    - राशन कार्ड जारी करने के मामले में परिवार की 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की सबसे बड़ी आयु की महिला का घर की मुखिया होना अनिवार्य किया गया है।
    - इसके अलावा, अधिनियम में 6 माह से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिये विशेष प्रावधान किया गया है, जहाँ **उन्हें** एकीकृत बाल विकास सेवा (Integrated Child Development Services- ICDS) केंद्रों (जिन्हें आँगनवाड़ी केंद्रों के रूप में भी जाना जाता है) के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से नि:शुल्क पौष्टिक आहार प्रदान करना सुनिश्चित किया गया है।

पोकरण में सोलर प्रोजेक्ट

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री द्वारा जैसलमेर के पोकरण में 1.3 गीगावॉट पीक पावर क्षमता वाले सोलर प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **सोलर प्रोजेक्ट के बारे में:**
  - यह परियोजना पूरी तरह से मेड-इन-इंडिया मोड्यूल्स द्वारा बनाई गई है, जिसमें 90% सोलर मोड्यूल्स जयपुर स्थित रीन्यू कंपनी द्वारा निर्मित हैं।
  - **उद्देश्य:** इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य सौर ऊर्जा के माध्यम से **विद्युत उत्पादन** बढ़ाना और पर्यावरण को **कार्बन उत्सर्जन** से बचाना है।
  - **विद्युत उत्पादन:** इस परियोजना से सालाना लगभग 2490 मिलियन युनिट्स विद्युत का उत्पादन होगा, जो लगभग 5 लाख परिवारों की विद्युत जरूरतों को पूरा करेगा।
  - **कार्बन उत्सर्जन में कमी:** परियोजना से **2.3 मिलियन टन** कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण में योगदान मिलेगा।
  - **भौगोलिक अवस्थिति:** यह परियोजना **राजस्थान के जैसलमेर ज़िले** में स्थित है और लगभग **3500 एकड़** के क्षेत्र में फैली हुई है। यह क्षेत्र सोलर ऊर्जा के लिये उपयुक्त परिस्थितियाँ प्रदान करता है, जिससे परियोजना की सफलता की संभावना और बढ़ जाती है।
  - **ऊर्जा क्षेत्र में विकास:** इस परियोजना के माध्यम से भविष्य में ऊर्जा की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। साथ ही, ऊर्जा क्षेत्र में तेज़ी से विकास की संभावना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 | UPSC क्लासरूम कोर्सेस | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स | दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

मेक इन इंडिया पहल

- **परिचय:**
  - **वर्ष 2014 में लॉन्च किये गए मेक इन इंडिया का मुख्य उद्देश्य देश को एक अग्रणी वैश्विक विनिर्माण और निवेश गंतव्य में बदलना है।**
  - इसका नेतृत्त्व उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (Department for Promotion of Industry and Internal Trade- DPIIT), **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,** भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है।
  - यह पहल दुनिया भर के संभावित निवेशकों और भागीदारों को 'न्यू इंडिया' की विकास गाथा में भाग लेने हेतु एक खुला निमंत्रण है।
- **उद्देश्य:**
  - **विनिर्माण क्षेत्र की संवृद्धि दर** को बढ़ाकर 12-14% **प्रतिवर्ष करना।**
  - **वर्ष 2022 तक (संशोधित तिथि 2025) विनिर्माण से संबंधित 100 मिलियन अतिरिक्त रोज़गार सृजित करना।**
  - **वर्ष 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाकर 25% करना।**

सौर ऊर्जा

- **परिचय**
  - यह वह ऊर्जा है, जो सूर्य से प्राप्त होती है। यह एक नवीकरणीय और प्रदूषण मुक्त ऊर्जा स्रोत है, जो पृथ्वी पर उपलब्ध सबसे प्रचुर और स्थायी ऊर्जा स्रोतों में से एक है।
  - सौर ऊर्जा का उपयोग मुख्यत: दो तरीकों से किया जाता है:
    - **सौर तापीय ऊर्जा** (Solar Thermal Energy): इसमें सूरज की किरणों को ऊष्मा में बदलकर ऊर्जा का उत्पादन किया जाता है। यह ऊर्जा गर्म पानी तैयार करने, तापमान नियंत्रित करने या उद्योगों में उपयोग की जाती है।
    - **सौर विद्युत ऊर्जा** (Solar Photovoltaic Energy): इसमें सौर पैनल्स (Photovoltaic Cells) का उपयोग करके सूर्य प्रकश को सीधे विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है। यह ऊर्जा घरों, उद्योगों और अन्य क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति के लिये उपयोग की जाती है।
- **सौर ऊर्जा के लाभ:**
  - यह एक नवीकरणीय ऊर्जा है, अर्थात यह हमेशा उपलब्ध रहती है।
  - **पर्यावरणीय प्रभाव** कम है, क्योंकि यह प्रदूषण नहीं करती।
  - यह **स्थायी** स्रोत है, जिससे लंबे समय तक ऊर्जा मिलती है।
  - ऊर्जा संकट के समाधान के रूप में काम करती है, विशेषकर दूरस्थ क्षेत्रों में जहाँ विद्युत आपूर्ति सीमित होती है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME